कक्षा :– 11th
विषय :–अर्थशास्त्र
पाठ्यक्रम

मास	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के पीरियड	दोहराई के पीरियड
अप्रैल	भाग–1 अर्थशास्त्र में सांख्यिकी	यूनिट 1: परिचय– अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र एवं अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का महत्व	10	10
मई		यूनिट 2: आकड़ों का संग्रह – आकडों का अर्थ, परिभाषा, आंकडों के स्त्रोत, आंकडा संग्रह की विधियां, आंकडो के प्रकार एवं स्त्रोत, प्रतिदर्श एवं जनगणना संर्वेक्षण, सेन्सस आफ इण्डिया तथा एन.एस.एस.ओ.	14	8
ग्रीष्म अवकाश 1 जून से 30 जून तक				
जुलाई		यूनिट 3: आंकडो का संगठन, वर्गीकरण, चर, बारम्बारता वितरण, अपवर्जी एवं समावेशी विधियां, वर्ग अन्तराल, मिलान चिन्ह अंकन एवं बारम्बारता, असमान वितरणों में बारम्बारता, आंकडो का प्रस्तुतीकरण, वर्गीकरण, आंकडो का सारीणीकरण तथा सारणी के अंग, आकडों का आरेखी प्रस्तुतीकरण एवं प्रकार, वृत आरेख (पाई) बारम्बारता आरेख, आयात चित्र (हिस्टोग्राम), बहुभुज, बारम्बारता वक, ओजिव (ogive) अंक गणितीय रेखाचित्र केन्द्रीय प्रवृति का माप– समान्तर माध्य (AM) – असमूहित आंकडो का एवं समूहित आंकडों का समान्तर माध्य, (प्रत्यक्ष विधि, कल्पित विधि) भारित समान्तर माध्य मध्यिका (मिडियन) – मध्यिका का अभिकलन, अवस्थिति, संतत एवं असंतत श्रृखला चतुर्वक, शतमक, बहुलक एवं इसका अभिकलन, माध्य मध्यिका एवं बहुलक की सापेक्षित स्थिति	20	4
अगस्त		यूनिट 4: परिक्षेपण के माप – परास (रेन्ज), चतुर्वक विचलन (QD), माध्य विचलन, असमूहित आंकडों के लिए समान्तर माध्य से माध्य विचलन, मध्यिका से माध्य विचलन, संतत वितरण के लिए माध्य से माध्य विचलन मानक विचलन (SD) – असमूहित आंकडों के लिए मानक विचलन का परिकलन (वास्तविक माध्य विधि एवं कल्पित माध्य विधि), पद विचलन विधि परिक्षेपण के निरपेक्ष एवं सापेक्ष माप, लारेन्ज वक का अर्थ एवं एप्लीकेशन सह संबंध का अर्थ, प्रकार एवं मापने की प्रविधियां, प्रकीर्ण आरेख , कार्लपियरशन एक स्पीयरमैन सहसम्बन्ध का गुणांक।	20	3
सितम्बर		यूनिट : सूंचकांक का अर्थ, परिभाषा, रचना, समूहित विधि, मूल्यानुपातों की माध्य विधि, कुछ महत्वपूर्ण सूचकांक–उपभोक्ता कीमत सूचकांक, थोक कीमत एवं मूल्य सूंचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, कृषि उत्पादन सूचकांक, संवेदी सूचकांक, स्टाफ एक्सचेज,	12	8

		अर्थव्यवस्था में सूंचकांक व दोहराई		
अक्तूबर	भाग–2 भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	यूनिट 1: विकास नितिया और अनुभव (1947–1990) स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था –औपनिवेशक शासन के अन्तर्गत आर्थिक विकास– कृषि, औधोगिक क्षेत्रक, विदेशी व्यापार, जनांकिकीय स्थिति, व्यवासिक संरचना एवं आधारित संरचना भारतीय अर्थव्यवस्था (1950–1990)–पंचवर्षीय योजना के लक्ष्य, कृषि, उद्योग, व्यापार, व्यापार नीति, आपात प्रतिस्थापन।	18	3
नवम्बर		यूनिट 2–3: आर्थिक सुधार 1991 से –उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण तथा सुधारकालीन भारतीय अर्थव्यवस्थ –एक समीक्षा भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियां– निर्धनता का अर्थ, निर्धनों की पहचान, संख्या, कारण, निवारण के लिए नीतियां एवं कार्यक्रम–एक समीक्षा भारत में मानव पूंजी का निर्माण, अर्थ, स्त्रोत, मानव पूंजी ओर मानव विकास, शिक्षा एवं सार्वजनिक व्यय में वृद्धि, भविष्य की सम्भावनाएं ग्रामीण विकास–अर्थ, साख एवं विपणन, कृषि विपणन व्यवस्था, उत्पादक विधि का विविधीकरण, विकास एवं जैविक कृषि।	17	3
दिसम्बर		यूनिट 3 का शेष भाग रोजगार–संवृद्धि, अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे–श्रमिक एवं रोजगार, रोजगार में भागीदारी, स्वनियोजित तथा भाडे के श्रमिक, फर्मो, कारखानों तथा कार्यालयों में रोजगार संवृद्धि एवं परिवर्तनशील रोजगार संरचना, भारतीय श्रमबल, बेरोजगारी, सरकार एवं रोजगार सृजन आधारिक संरचना क्या है – प्रासंगिकता, आधारिक संरचना की स्थिति उर्जा स्वास्थ्य नोट : प्रोजैक्ट वर्क पूरा करवाना	16	3
जनवरी		यूनिट 4: पर्यावरण एवं धारणीय विकास –पर्यावरण –परिभाषा एवं कार्य, भारत की पर्यावरण स्थिति, धारणीय विकास एवं धारणीय विकास की चुनौतियां तथा रणनीतियां, आर्थिक विकास एवं धारणीय विकास की संक्षेप में तुलना। भारत और उसके पडोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव –विकास पथ : एक चित्रांकन, जनांकिकीय संकेतक, सकल घरेलु उत्पाद एवं क्षेत्रक मानव विकास के संकेतक, विकास नीतियां एवं मूल्यांकन	10	4
फरवरी		पाठ्यक्रम का रिविजन प्रोजैक्ट वक का वाइवा लेना तथा उपलब्धि स्तर का निरीक्षण करके अंक देना।		
मार्च		वार्षिक परीक्षा		